हिन्दुस्तानी संगीत में स्नातक(बी0ए0)

<u>उद्देश्य</u> - इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय शास्त्रीय संगीत के विभिन्न पहलुओं के शास्त्र से अवगत कराना एवं उनका क्रियात्मक ज्ञान प्रदान करना है|

पंचम सेमेस्टर हेतु माइनर कोर्स का पाठ्यक्रम

क्र0 सं0	**कोर्स शीर्षक**	**कोर्स कोड**	**अंक**	**श्रेयांक**
1	**भारतीय शास्त्रीय संगीत शास्त्र**	BAMM(N)**-222**	**50**	**2**
	इकाई 1 – श्रुति एवं स्वर की व्याख्या प्राचीन, मध्यकालीन व वर्तमान विद्वानों के अनुसार|			
	इकाई 2- दक्षिण भारतीय संगीत का संक्षिप्त परिचय।			
	इकाई 3- मार्गी संगीत, देशी संगीत, नायक, गायक, वाग्येयकार, कलावंत, गीत, गान्धर्व, गान, आविर्भाव, तिरोभाव, काकु व तान।			
	इकाई 4 – भारतीय संगीत में थाट पद्धति।			
	इकाई 5 - प्राचीन, मध्य काल व आधुनिक काल में प्रयुक्त होने वाले भारतीय अवनद्ध वाद्य।			
	इकाई 6 - पाठ्यक्रम के रागों भैरव एवं विहाग का परिचय, स्वर विस्तार एवं स्वर समूह के माध्यम से राग पहचानना तथा उनमें छोटा ख्याल/ रज़ाखानी गत को तानों/तोड़ों सहित लिपिबद्ध करना।			
	इकाई 7- पाठ्यक्रम की तालों झपताल एवं दादरा ताल का परिचय एवं बोल समूह द्वारा ताल पहचानना; पाठ्यक्रम की तालों एकताल एवं कहरवा ताल के ठेकों को दुगुन एवं चौगुन लयकारी सहित लिपिबद्ध करना।			
2	***क्रियात्मक एवं मौखिक परीक्षा*** III	BAMM(N)**-222**	**50**	**2**
द्वितीय खण्ड	इकाई 8 – पाठ्यक्रम के रागों भैरव एवं विहाग का परिचय।			
	इकाई 9- पाठ्यक्रम के रागों भैरव एवं विहाग में छोटा ख्याल/ रज़ाखानी गत तानों/तोड़ों सहित ।			
	इकाई 10– पाठ्यक्रम की तालों झपताल एवं दादरा ताल का परिचय।			
	इकाई 11 – झपताल में एक कायदा, दो पल्टों, तिहाई व एक टुकड़ा सहित।			
	इकाई 12 - दादरा ताल के ठेके के प्रकार एवं उनकी वादन विधि|			
	इकाई 13- पाठ्यक्रम की तालों झपताल एवं दादरा ताल की पढन्त।			
	इकाई 14- पाठ्यक्रम की तालों झपताल एवं दादरा ताल के ठेकों को ठाह, दुगुन एवं चौगुन लयकारी में पढ़ना।			
	इकाई 15 - हारमोनियम में किसी गीत/भजन का वादन |			
	इकाई 16 - पाठ्यक्रम सम्बन्धित मौखिक परीक्षा।			

राग- भैरव एवं विहाग ***ताल* – झप*ताल* एवं दादरा**